an>

Title: Need to take preventive measures to control Tuberculosis.

श्रीमती मीनाक्षी लेखी (नई दिल्ली) : अध्यक्ष महोदया, आज वर्ल्ड टी.बी. डे है और हिंदुस्तान में टुबरकुलोसिस की वजह से बहुत लोगों की मृत्यु होती है। इसका जी.डी.पी. पर भी बहुत भारी असर पड़ता है और देश में एक महामारी के रूप में यह बीमारी उपस्थित है। भारत सरकार ने निर्णय लिया है कि वर्ष 2022 तक इसे समाप्त करना है। हमने पोलियो जैसी बीमारी को खत्म किया है तो टी.बी. को भी खत्म कर देंगे, लेकिन इसके चार मेजर आस्पैक्ट्स हैं - पहला प्रिवेंशन, दूसरा डायग्नोसिस, तीसरा ट्रीटमैन्ट और चौथा सोशल साइक्लोजिकल सपोर्ट।

मुझे आपके माध्यम से पूरे देश को यह कहना है कि टी.बी. सबसे ज्यादा प्रिवेंशन के अंदर जो फैलती है, वह थूकने से फैलती है। इस देश के अंदर जब हम स्वच्छ भारत का अभियान चला रहे हैं तो उस स्वच्छ भारत में केवल ओपन डेफिकेशन या यूरिनेशन के खिलाफ ही काम न हो, बल्कि स्पिटिंग के खिलाफ भी काम होना चाहिए, थूक फेंकने के खिलाफ कानून आना चाहिए।

महोदया, दिल्ली में एक जगह एन.डी.एम.सी. क्षेत्र में मैंने प्रयास किया कि जहां दीवारों पर पान के दाग और थूक के निशान थे, उन्हें साफ करके पेन्ट करने की कोशिश की। लेकिन मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि मीडिया की जिस प्रकार की सपोर्ट की आवश्यकता थी, वह नहीं मिली, बल्कि यह कहानी चली कि जहां-जहां इसका उल्लंघन किया जा रहा था और लोग थूक रहे थे, उसे और मेरी तस्वीर को जोड़ने की कोशिश हुई, यह बताने की बजाय कि ओपन डिफकेशन, ओपन यूरिनेशन या थूकने की वजह से इतनी बड़ी बीमारी फैल रही है। अगर भारत सरकार को इसे कंट्रोल करना है तो थूकने को कहीं न कहीं रोकना पड़ेगा। मैं समझती हूं कि उसके खिलाफ कानून हो और मेरा मानना है कि टी.बी. के कंट्रोल के लिए भी पूरा देश एक कानून लाये और सर्वसम्मति से यह सदन उसे पारित करे, ताकि इतनी बड़ी महामारी को हम समाप्त कर सकें, जिसकी वजह से बहुत ज्यादा क्षमता की हानि होती है।

मुझे वह समय याद है, जब सुÂषमा जी देश की हैल्थ मिनिस्टर थीं और किसी कार्यक्रम की वजह से हम लोग उनसे बात करने के लिए गए थे तो कोई 'नेको' के माध्यम से एड्स कंट्रोल के लिए फंड आ रहा था तो मैं उस समय थोड़ा आउट ऑफ टर्न बोली थी और आज मुझे लगता है कि वह सब सही है कि एड्स से मरने वाले लोग भी अल्टीमेटली टी.बी. से मरते हैं। इस देश में टी.बी. से मरने वालों की संख्या कहीं ज्यादा है। जो फॉरेन एजेन्सीज हैं, वे 'नेको' के माध्यम या अन्य तमाम माध्यम से एड्स को फंड करती हैं, जबकि महामारी टी.बी. है। इसलिए कहीं न कहीं इस बात पर ध्यान देकर जो भी पैसा है, वह इस दÂिष्ट से, इस दिशा में लगाया जाए, ताकि टी.बी. के खिलाफ हम कार्रवाई करें और एक अवेयरनैस कैम्पेन सब राज्यों के माध्यम से हर एक क्षेत्र में हम कर पायें और हैल्थ मिनिस्ट्री भी इसे बहुत सीरियसली ले। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री ओम बिरला,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री अर्जुनलाल मीणा,

श्री प्रहलाद जोशी,

श्री ए.टी.नाना पाटील,

श्री अश्विनी कुमार चौबे,

श्री देवजी एम.पटेल,

श्री उदय प्रताप सिंह,

श्री निशिकान्त दुबे,

श्रीमती रीती पाठक,

श्री रवीन्द्र कुमार जेना,

श्री रोड़मल नागर,

श्रीमती गीता कोथापल्ली,

श्री विष्णु दयाल राम,

श्रीमती दर्शना जरदोश,

श्रीमती जयश्रीबेन पटेल,

श्रीमती माला राज्यलक्ष्मी शाह,

श्रीमती ज्योति धुर्वे,

श्रीमती नीलम सोनकर,

कुंवर पुÂष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्रीमती रेखा वर्मा,

श्रीमती अंजू बाला,

श्रीमती प्रियंका सिंह रावत एवं

श्री शरद त्रिपाठी को श्रीमती मीनाक्षी लेखी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।